www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 282 || लखनऊ
गुरूवार
15 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:57
सूर्यास्तः 05:35
अधिकतमः 17°00
न्यूनतमः 08°00

पेज 03

विशेष समाचार

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए ... >> पेज 02
केजीएमयू लव जिहाद आरोपी डॉ. ... >>पेज 04
श्रद्धा की शादी की अटकलों पर भाई ...

ज्यादातर स्कूली छात्र, 65 फीट ऊंचाई से मलबा गिरा, डिब्बे पटरी से उतरे

पैसेंजर ट्रेन पर गिरी क्रेन

हादसा

30 की मौत | 67 घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

थाईलैंड। थाईलैंड में बुधवार को तेज रफ्तार से चल रही पैसेंजर ट्रेन पर 65 फीट ऊंचाई से एक क्रेन गिर गई। इसके चलते ट्रेन के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 67 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। क्रेन का इस्तेमाल रेल ब्रिज के निर्माण में हो रहा था। हादसे के समय ट्रेन में 195 लोग सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें ज्यादातर यात्री स्कूल के छात्र थे। दुर्घटना के समय ट्रेन लगभग 120 किमी/घंटा की रफ्तार से

चल रही थी। हादसे के कुछ मिनट बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय निवासी ने AFP समाचार एजेंसी को बताया कि उन्होंने एक तेज आवाज सुनी, जिसके बाद दो विस्फोट हुए।

> "कई यात्री डिब्बों में फंसे हुए थे, जिन्हें कटिंग और स्प्रेडिंग उपकरणों की मदद से बाहर निकाला गया। अब तक 12 शव बरामद कर लिए गए हैं। प्रशासन और रेलवे अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्रेन क्यों गिरी और सुरक्षा नियमों का पालन हुआ या नहीं। स्थानीय लोग और परिवार इस दुखद घटना से सदमे में हैं।

ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला

यह दुर्घटना नाखोन राचासिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई। हादसे के वक्त ट्रेन राजधानी बैंकॉक से उबोन राचाथानी जा रही थी। क्रेन ट्रेन के तीन डिब्बों पर गिरा, जिनमें से दो डिब्बों में सबसे ज्यादा लोग सवार थे। इन्हीं डिब्बों में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। 'नेशन थाईलैंड' के मुताबिक क्रेन गिरने के कारण ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला। टक्कर के बाद क्रेन का मलबा कोच पर गिरा, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। पटरी से उतरते ही डिब्बों में आग लग गई। निवासी ने कहा , "जब मैं यह देखने गया कि क्या हुआ है।

क्रेन गिरने के कारण ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला, जिससे यह हादसा हुआ।

टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रेन के शीशे टूट गए और ट्रेन क्षतिग्रस्त हो गई।

भारतीय पासपोर्ट मजबूत हुआ, 85 से 80वें नंबर पर आया

55 देशों में वीजा-फ्री एंट्री, सिंगापुर लगातार दूसरे साल नंबर-1

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पासपोर्ट की ताकत पिछले एक साल में बढ़ी है। पासपोर्ट रैंकिंग जारी करने वाले ऑर्गेनाइजेशन हेनली एंड पार्टनर्स की 2026 की रैंकिंग में भारत 5 स्थान की छलांग लगाकर 80वें नंबर पर पहुंच गया है। पिछले साल 2025 में भारत की रैंक 85 थी। नई रैंकिंग के मुताबिक, भारतीय नागरिक अब 55 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल यात्रा कर सकते हैं। यह रैंकिंग पासपोर्ट धारकों को बिना पूर्व वीजा कितने देशों में प्रवेश की अनुमति है, इसी आधार पर तय की जाती है। सिंगापुर लगातार दूसरे साल दुनिया का सबसे ताकतवर

पासपोर्ट बना हुआ है, जिसे 227 में से 192 देशों में वीजा-फ्री एंट्री है। जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, इन देशों के नागरिक 188 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। 186 देशों में फ्री वीजा एंट्री के साथ डेनमार्क, लक्समबर्ग, स्पेन, स्वीडन और स्विटजरलैंड तीसरे स्थान पर रहे। अफगानी पासपोर्ट दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट है और लिस्ट में सबसे नीचे 101वें स्थान पर बना हुआ है। 2025 की रैंकिंग में भारतीय पासपोर्ट 85वें स्थान पर था और 57 देशों तक वीजा-फ्री पहुंच थी। 2024 में भी भारत की रैंक 80 थी। यानी 2025 में गिरावट के बाद 2026 में फिर से सुधार देखने को मिला है। हालांकि, वीजा-फ्री यात्रा में 2 देशों कम हो गए है। पाकिस्तान ने भी रैंकिंग में 5 स्थान की छलांग लगाई है। पाकिस्तान की नई रैंकिंग 98वीं है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

तेलंगाना के गांवों में हफ्तेभर में 500 कुत्तों की हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के गांवों में ग्राम पंचायत चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों को मारने के मामले सामने आए हैं। बीते एक हफ्ते में अलग-अलग जिलों के गांवों में करीब 500 कुत्तों की कथित तौर पर हत्या की गई है। पुलिस के मुताबिक, इन घटनाओं में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका सामने आ रही है।

कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी आतंकी मामले में दोषी करार

नई दिल्ली। नई दिल्ली की NIA कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी और उसकी दो साथियों-सोफी फहमीदा और नाहिदा नसीरीन को एक आतंकी मामले में दोषी करार दिया है। सजा पर सुनवाई 17 जनवरी को होगी। आसिया अंद्राबी महिला अलगाववादी संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत की प्रमुख बताई जाती है। आसिया अंद्राबी को साल 2018 में गिरफ्तार किया गया था। NIA ने उस पर देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने, लोगों के बीच नफरत फैलाने और गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून (UAPA) के तहत आतंकी साजिश रचने के आरोप लगाए थे। अदालत ने तीनों को दोषी माना है।

ट्रेन में नॉनवेज खाना परोसने पर रेलवे को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने ट्रेन में परोसे जाने वाले नॉनवेज फूड को लेकर रेलवे बोर्ड और पर्यटन मंत्रालय के सचिव को नोटिस जारी किया है। NHRC ने सोमवार (12 जनवरी) को लेटर जारी किया। जिसमें कहा गया कि ट्रेनों में परोसे जा रहे नॉनवेज फूड को लेकर रेलवे से मांगी गई रिपोर्ट अधूरी है। कई जरूरी जानकारी साफ नहीं की गई हैं।

पीएम मोदी ने केंद्रीय राज्यमंत्री के आवास पर मनाया पोंगल

बोले- तमिल संस्कृति साझी विरासत, पोंगल प्रकृति-परिवार के साथ संतुलन बनाता है

- पोंगल पर्व पर पीएम मोदी ने दिल्ली में केंद्रीय राज्यमंत्री एल मुरुगन के आवास पर पूजा की।
- पीएम ने आरती भी की। वे मुरुगन के आवास पर एक घंटा रुके।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार सुबह केंद्रीय राज्यमंत्री एल मुरुगन के आवास पर आयोजित पोंगल समारोह में शामिल हुए। पीएम ने पूजा की। उन्होंने गाय को भी भोजन खिलाया। पीएम ने कहा कि तमिल संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है। तमिल संस्कृति सदियों को जोड़ती है। आज पोंगल एक ग्लोबल त्योहार बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में तमिल समुदाय और जो लोग तमिल संस्कृति को पसंद करते हैं। पोंगल को बहुत उत्साह से मनाते हैं और मुझे उनमें से एक होने पर गर्व है। मोदी ने कहा कि पोंगल का त्योहार हमें प्रकृति, परिवार और समाज के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखने का महत्व सिखाता है। जमीन और सूरज के प्रति हमारी कृतज्ञता दिखाता है। पोंगल तमिल समुदाय का प्रमुख फसल उत्सव है। यह पर्व सूर्य देव, प्रकृति, पशु और किसानों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए मनाया जाता है। यह हर साल 14–17 जनवरी के बीच मकर संक्रांति के आसपास मनाया जाता है। इसे मुख्य दिनों में भोगी पोंगल, सूर्य पोंगल, मट्टु पोंगल और कानूम पोंगल होते हैं। पोंगल के दौरान मुख्य रूप से नए चावल से पारंपरिक व्यंजन पकाए जाते हैं। इनमें सक्कराई पोंगल (मीठा) और वें पोंगल (नमकीन) शामिल होते हैं।

8 महीने बाद तेजप्रताप की लालू फैमिली में हुई वापसी

दही-चूड़ा भोज में पहुंचे लालू ने कहा-अब वो साथ ही रहेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। तेजप्रताप ने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा है। लालू यादव इस भोज में पहुंचे हैं। लालू यादव ने कहा कि वो तेजप्रताप से नाराज नहीं है। वो परिवार के साथ ही रहें। तेजप्रताप के बीजेपी में जाने के सवाल पर कहा कि बेटे को हमेशा आशीर्वाद रहेगा। 8 महीने पहले तेजप्रताप की गर्लफ्रेंड के साथ फोटो सामने आने के बाद लालू ने तेजप्रताप को घर और पार्टी से निकाला था। तेजप्रताप के दही चूड़ा भोज में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद, बड़े मामा प्रभुनाथ यादव, साधु यादव और चेतन आनंद भी पहुंचे हैं। अभी तक तेजस्वी-राबड़ी इस भोज में शामिल नहीं हुए हैं। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मंगलवार को अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा।

> तेजप्रताप यादव ने कहा कि तेजस्वी राजद का विलय जनशक्ति जनता दल में कर दें। लालू प्रसाद की असली पार्टी जेजेडी ही है। जनशक्ति जनता दल बंगाल चुनाव लड़ेगी, ममता बनर्जी के खिलाफ हम लड़ेंगे। एमएलसी का चुनाव भी बिहार में हमारी पार्टी लड़ेगी।

राहुल गांधी अलगाववाद की राजनीति का उदाहरण : गुरु प्रकाश

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अलगाववाद की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारतीय राजनीति में अलगाववाद का परफेक्ट उदाहरण और केस स्टडी हैं। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और विपक्षी दल राजनीतिक फायदे के लिए क्षेत्रवाद, जातिवाद और भाषा के नाम पर लोगों को बांटते हैं। जिससे देश की एकता और शांति को नुकसान पहुंचता है। गुरु प्रकाश ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की राजनीति राज्य-दर-राज्य बदलती रहती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का रिकॉर्ड बताता है कि जब वे बिहार जाते हैं तो जाति के नाम पर उन्माद फैलाने की कोशिश करते हैं। जब तमिलनाडु जाते हैं तो तमिल पहचान के नाम पर नकारात्मक राजनीति करते हैं। BJP प्रवक्ता ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने लगातार तमिल भाषा, संस्कृति और पहचान को सम्मान दिया है।

लोग बोले- बिना बताए अहिल्याबाई की मूर्ति हटाई, डीएम ने कहा- मूर्तियां सुरक्षित हैं

मणिकर्णिका घाट पर बवाल

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। काशी के मणिकर्णिका घाट को तोड़ा जा रहा है। यहां नए सिरे से घाट तैयार होगा, इसकी डिजाइन फाइनल है। मणिकर्णिका घाट को साल-1771 में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने बनवाया था। फिर 1791 में उन्होंने ही इसका जीर्णोद्धार कराया था। बुधवार को लोगों ने जब मलबे में अहिल्याबाई की मूर्ति देखी, तो विरोध शुरू कर दिया वहीं, लोगों के विरोध के बाद DM सत्येंद्र ने कहा- घाट की मूर्तियों को नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। उन्हें सुरक्षित रखा गया है। कुछ लोग AI से घाट के गलत वीडियो बनाकर जारी कर रहे हैं। ऐसे लोगों को ट्रेस किया जा रहा है दरअसल, PM मोदी ने साल- 2023 में इस काम का शिलान्यास किया था। बाढ़ की वजह से करीब डेढ़ साल से काम बंद था। अब इस प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने की कोशिश की जा रही है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट को नए तरीके से तैयार किया जाएगा। मणिकर्णिका काशी के 84 प्रमुख घाटों में शामिल है।

>> (शेष पेज 04 पर)

डीएम बोले- मंदिर को नुकसान नहीं, भ्रम फैलाया जा रहा

डीएम सत्येंद्र कुमार ने कहा- मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार के लिए हर साल लाखों लोग आते हैं। जगह की कमी रहती है और सफाई व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाई आती है। उन समस्याओं को देखते हुए परियोजनाओं को विकसित किया गया है। उन्होंने कहा- सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो AI से भी बनाकर जारी किए जा रहे।

अजय राय बोले- बनारस की पहचान मिटा रही भाजपा

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने भी X पर पोस्ट किया। लिखा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, हमारी काशी में भाजपा सरकार 'रिनोवेशन' के नाम पर लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर जी (1771) की ऐतिहासिक धरोहर मणिकर्णिका घाट को तोड़ रही है। यह विकास नहीं, काशी की आत्मा और सनातन संस्कृति पर सीधा हमला है। मणिकर्णिका घाट हो या वाराणसी की दालमंडी- भाजपा सरकार बनारस की विरासत, पहचान और इतिहास को मिटाने पर आमादा है। उन्होंने कहा- भाजपा सरकार तत्काल मणिकर्णिका घाट और दालमंडी परियोजना को बंद करे। बनारस में चल रहे उन सभी प्रोजेक्ट्स को भी तुरंत रोके, जो काशी की विरासत, मंदिरों और ऐतिहासिक स्वरूप को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

18 करोड़ से मिलेगा नया स्वरूप

मणिकर्णिका का पुनर्विकास कार्य CSR फंड से 18 करोड़ रुपए में किया जाना है। इससे नगर निगम की देख-रेख में कार्यदायी संस्था बना रही है। संस्था के अधिकारियों के अनुसार, 29 हजार 350 वर्गमीटर एरिया में काम कराया जाना है।

> डीएम ने कहा- जब निर्माण कार्य पूरा होगा, तो उन मूर्तियों को भी उसी स्थान पर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मणिकर्णिका का घाट पर जो मूल मंदिर है उन मंदिरों को किसी तरह से छाती नहीं पहुंचाई जाएगी वह मंदिर जिस प्रकार से हैं उसी प्रकार से रहेंगे। जिन कलाकृतियां के क्षति पहुंचाने की बात है उन्हें संरक्षित कराया गया है किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो इसको लेकर भ्रम फैला रहे हैं उनको चिह्नित किया जा रहा है आवश्यकता पड़ने पर उन पर कार्रवाई भी की जाएगी।

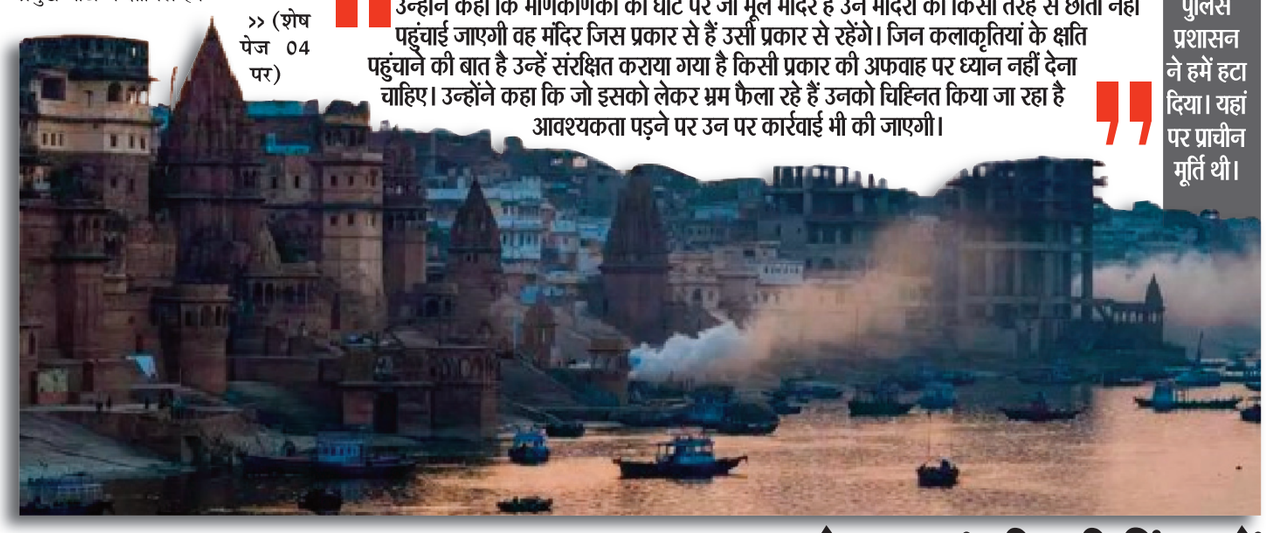

> मयंक पाल ने कहा- हम सभी पाल समाज से हैं। यहां जो मूर्ति तोड़ी गई, उसे दोबारा स्थापित किया जाना चाहिए। नहीं तो हम लोग बड़ा आंदोलन करेंगे। आज हम सभी यहां एकत्र हो रहे थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने हमें हटा दिया। यहां पर प्राचीन मूर्ति थी।

कर्नाटक सीएम पद पर हर दिन भ्रम : सिद्धारमैया

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने लिखा- प्रार्थना नाकाम नहीं होती

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक में एक बार फिर मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल गांधी के साथ मीटिंग के दौरान सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की मौजूदगी में लीडरशिप का मुद्दा उठा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि वह कैबिनेट विस्तार करना चाहते हैं, लेकिन कर्नाटक CM के पद को लेकर हर दिन भ्रम की स्थिति बन रही है। ऐसे में राहुल गांधी को CM पद की स्थिति को साफ करना चाहिए। इसी बीच बुधवार को कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने X पोस्ट में लिखा, 'भले ही कोशिश नाकाम हो जाए, लेकिन प्रार्थना नाकाम नहीं होती।' ऐसे में उनकी पोस्ट को

राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस लीडर राहुल गांधी 13 जनवरी को मैसुरु पहुंचे थे। इस दौरान एयरपोर्ट पर डीके शिवकुमार ने राहुल गांधी से अकेले में चर्चा की थी। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है।

>> (शेष पेज 04 पर)

इंडियन नेवी का जहाज 'कौंडिन्य' भारत से ओमान पहुंचा

यात्रा : 2000 साल पुरानी तकनीक से बना : ना कमरे, ना बिजली, टीम ने 18 दिन खिचड़ी खाकर बिताए

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन नेवी का 2000 साल पुरानी पाल विधि से निर्मित जहाज INSV कौंडिन्य बुधवार को 18 दिनों की यात्रा पूरी कर गुजरात से ओमान पहुंच गया। कौंडिन्य ने 29 दिसंबर को गुजरात के पोरबंदर से यात्रा शुरू की थी और 14 जनवरी को ओमान के मस्कट पहुंचा। इस यात्रा का मकसद भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को फिर से पुनर्जीवित करना है। यह जहाज 4थी-5वीं शताब्दी के भारतीय जहाजों के मॉडल पर बना है। बिना कील या धातु के लकड़ी के तख्तों को रस्सियों से सिलकर तैयार किया गया। इस पर कोई कमरा नहीं है। क्रू मेंबर्स स्लीपिंग बैग में सोते थे। वहां बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी। अन्य जहाजों को चेतावनी देने के लिए क्रू के पास सिर्फ हेडलैंप्स थे, जो अपने सिर पर लगाकर रखते थे। क्रू

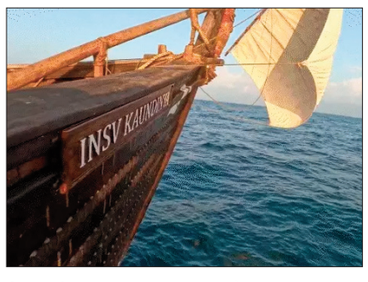

मेंबर्स ने 18 दिन खिचड़ी और अचार खाकर बिताए। जहाज का नाम पहली सदी के प्रसिद्ध भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने हिंद महासागर पार कर मेकांग डेल्टा तक यात्रा की थी। वहां एक कंबोडियाई राजकुमारी से शादी की थी। यह जहाज भारत की समुद्री खोज, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपरा का प्रतीक माना जा रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

क्रू मेंबर बोले- गुड मॉर्निंग इंडिया, मस्कट दिख गया

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शिप के ओमान पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने स्किपर कमांडर विकास श्योराण और प्रोजेक्ट हेड हेमंत कुमार के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए X पर लिखा- इस पल का आनंद ले रहे हैं... हमने कर दिखाया। समुद्री मार्ग से बिना रुके अकेले विश्व का चक्कर लगाने वाले पहले भारतीय, रिटायर्ड नौसेना कमांडर अभिलाष टॉमी ने भी कौंडिन्य की टीम को बधाई दी।

कौंडिन्य टीम ने जहाज पर खिचड़ी और अचार खाकर दिन बिताए।

लश्कर के आतंकी की हिंदुओं का गला काटने की धमकी

वायरल वीडियो में कहा- कश्मीर को आजादी भीख मांगने से नहीं

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

इस्लामाबाद। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी अबू मूसा कश्मीरी ने हिंदुओं की गर्दन काटने की धमकी दी है। उसने यह बयान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है, हालांकि ये कब का है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। वीडियो में अबू मूसा कहता है- कश्मीर मुद्दे का हल सिर्फ आतंकवाद और जिहाद से ही हो सकता है। आजादी भीख मांगने से नहीं, हिंदुओं की गर्दन काटने से मिलेगी। हमें जिहाद का झंडा उठाना होगा। अबू मूसा कश्मीरी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन जम्मू कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट का मेंबर है। उसका नाम अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले से भी जुड़ा था। अपने

> अबू मूसा कश्मीरी को पिछले साल अप्रैल में हुए पहलगाम हमले का भी मास्टरमाइंड माना जाता है।

भाषण में अबू मूसा ने पाकिस्तानी नेताओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। उसने कहा कि पाकिस्तान के नेता इस्लामी सिद्धांतों से भटक चुके हैं और जिहाद के रास्ते पर नहीं चल रहे हैं। उसने कहा जो नेता जिहाद के लिए प्रतिबद्ध नहीं है।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

भाजपा-चीन भाई-भाई

देश को धर्मांधता और राष्ट्रवाद के जहर में डुबोकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पतंगबाजी और डमरू बजा रहे हैं। जनता को फिर भी समझ नहीं आ रहा कि मदारी जैसे खेल दिखाकर दर्शकों को असलियत से भटका देता है, वही काम भाजपा सरकार कर रही है। मदारी तो फिर भी अपनी रोजी-रोटी के लिए यह काम करता है, उसमें पेशे के प्रति ईमानदारी होती है, जो भाजपा की मौजूदा सरकार में सिरे से नदारद दिख रही है। छह साल पहले जून 2020 में गलवान घाटी पर चीन ने अतिक्रमण की कोशिश की थी और इसमें सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों से झड़प हुई, जिसमें कम से कम 20 जवान शहीद हुए थे। उस समय नरेन्द्र मोदी से बिहार चुनाव में बिहार रेजीमेंट के शहीद जवानों के नाम को भुनाया था। आचार संहिता कहती है कि सेना के नाम पर वोट नहीं मांगे जा सकते, लेकिन नरेन्द्र मोदी कहां आचार-विचार की परवाह करते हैं। उन्हें केवल सत्ता और मुनाफा नज़र आता है। इसलिए अब जिस चीन को दुश्मन बताकर उसका आर्थिक बहिष्कार करने का ऐलान किया, लाल आंखें दिखाकर डराने का वादा किया, अब उसी चीन की सत्तारुढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से भाजपा और संघ की बाकायदा बैठक हो रही है। इनकी निर्लज्जता और दुस्साहस अब इतना अधिक हो चुका है कि इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी जा रही है। भाजपा जानती है कि देश का बिका हुआ मीडिया और चापलूसी में लगे पत्रकार इस बारे में कोई आलोचना नहीं करेंगे। बल्कि अब देश को बताया जाएगा कि चीन से नजदीकी बढ़ाकर प्रधानमंत्री मोदी ने कैसे मास्टर स्ट्रोक चला है। मोदी और जिनपिंग का प्लान, ट्रंप होगा परेशान, जैसी हेडलाइन्स देखने मिलें तो आश्चर्य नहीं। पाठकों को बता दें कि मंगलवार को भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाई वाले ने एक पोस्ट में जानकारी दी कि सीपीसी के अंतरराष्ट्रीय विभाग (आईडीसी-पीसी) की उपमंत्री सुन हैयान के नेतृत्व में सीपीसी प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में भाजपा मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान भाजपा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पार्टी के महासचिव अरुण सिंह ने किया। बैठक में भारत में चीनी राजदूत जू फीहोंग भी शामिल हुए। बैठक के दौरान भाजपा और सीपीसी के बीच संचार और संवाद को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। अब ये सवाल भाजपा से पूछा जा सकता है कि आखिर वह किस हैसियत से उस देश की सत्तारुढ़ पार्टी से संचार और संवाद बढ़ाना चाहती है, जो बार-बार हमारी सीमाओं में अतिक्रमण करता है, हमारे इलाकों पर अपना दावा ठोंकता है, और जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को मदद पहुंचाई? क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा और चीन की पार्टी के बीच हुई बैठक से नावाकिफ थे? अगर नहीं, तो पहले से इस बारे में उन्होंने देश को सूचित क्यों नहीं किया। वैसे प्रधानमंत्री मोदी से अब किसी भी किस्म की ईमानदार पहल की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। क्योंकि गलवान के बाद उन्होंने कहा था कि न कोई घुसा था, न हमारी जमीन गई। जबकि तथ्य है कि चीनी सेना ने हमारी जमीन का अतिक्रमण किया है और अब उसे वापस लेने की मांग शायद भारत सरकार ने छोड़ दी है। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल हजारों साल पहले के हमलों का बदला लेने के लिए आज के नौजवानों को उकसा रहे हैं, लेकिन अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं कर रहे। पहले कंधार तक वो आतंकवादियों को छोड़कर आए थे, और अब गलवान, पुलवामा, पहलगाम जैसे बड़े हमलों के बावजूद उनकी कोई पुख्ता रणनीति सामने नहीं आ रही है, जिससे पता चले कि हां वो वाकई धुरंधर है। खैर, भाजपा और चीन अब भाई-भाई हैं, ये बात तो भाजपा ने ही साबित कर दी है। इधर चीन ने अपने अतिक्रमण वाले चरित्र को बरकरार रखते हुए जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी पर अपने क्षेत्रीय दावे को दोहराया है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि यह क्षेत्र चीन का हिस्सा है और 1960 के दशक में पाकिस्तान के साथ सीमा समझौते के तहत यह वैध है। उन्होंने भारत की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि चीन और पाकिस्तान को संप्रभु देशों के रूप में सीमा निर्धारण का अधिकार है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है और 1963 का चीन-पाकिस्तान सीमा समझौता अवैध और अमान्य है। बता दें कि पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों से 5,180 वर्ग किमी भूमि चीन को सौंप दी थी। यानी जिस जमीन पर पाकिस्तान ने जबरन हक जमा रखा है, उसे उसने चीन को सौंपा है और अब दोनों इसे सही बता रहे हैं। लेकिन ये मोदी सरकार की कमजोरी ही है कि जुबानी जमाखर्च से बात आगे नहीं बढ़ रही है। चीन अब शक्सगाम घाटी में सड़क और सैन्य बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है। जो भारत की सुरक्षा के लिए सही नहीं है। सवाल ये है कि क्या गलवान के बाद जैसे मोदी सरकार चुपके से चीन के सामने झुक गई, क्या अब भी वैसा ही होगा। गलवान और पहलगाम के शहीदों के परिजनों पर इस समय क्या बीत रही होगी, ये कल्पना नहीं की जा सकती है। वे तो इसी भरोसे में थे कि भाजपा और नरेन्द्र मोदी जिस तरह भारत माता के लिए अपनी श्रद्धा दिखाते हैं, कम से कम उसकी खातिर ही दुश्मन देश के सामने कायरों की तरह झुकते नहीं। पाठकों को याद दिला दें कि 2020 में भाजपा ने चीनी सामानों के बहिष्कार की मुहिम चलाई थी और उसे राष्ट्रवाद से जोड़ दिया था।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के सियासी दांव चले जाने लगे हैं

> ऐसी सियासी परिस्थितियों में राहुल गांधी की हालिया पोस्ट एक तीर से तीन निशाने जैसा है। पहला तो उन्होंने विजय को उनकी फिल्म के मुद्दे पर समर्थन देकर उनका विश्वास जीतने की कोशिश की है, दूसरा ऐसा कर उन्होंने सहयोगी डीएमके पर दबाव बढ़ा दिया है कि उसके पास विजय एक विकल्प हो सकते है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव का ऐलान भले ही न हुआ हो, लेकिन सियासी बिसात बिछाई जाने लगी है। डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के साथ तनातनी के बीच तमिलनाडु के दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी ने एक तीर से तीन निशाना साधते नजर आए। अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की फिल्म 'जन नायकन' का राहुल गांधी ने समर्थन करके बीजेपी को कठघरे में खड़े करते नजर आए तो दूसरी तरफ थलपति विजय के जरिए स्टालिन को भी सियासी संदेश दे दिया है। गौरतलब है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जब मंगलवार को तमिलनाडु के दौरे पर थे उस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया था , जिसने तमिलनाडु की राजनीति में नई सियासी चिंगारी भड़का दी । उनके पोस्ट ने न सिर्फ एक नाजुक समय में अभिनेता से नेता बने विजय का साथ दिया , बल्कि उन अटकलों को भी मजबूत किया है कि कांग्रेस, DMK के साथ अपने करीबी संबंधों के बावजूद, विजय की पार्टी TVK के साथ आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक समझ बनाने पर विचार कर सकती है।दरअसल, राहुल गांधी ने तमिल सुपरस्टार विजय की फिल्म 'जन नायकन' को लेकर बड़ा बयान दिया । उन्होंने आरोप लगाया कि अभिनेता विजय की फिल्म 'जन नायकन' को 'रोकने की केंद्र सरकार की कोशिश' तमिल संस्कृति पर हमला है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'तमिल लोगों की आवाज दबाने' में कभी कामयाब नहीं होंगे। ज्ञात हो कि तमिलनाडु में कांग्रेस मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पार्टी DMK की सहयोगी है। हाल के दिनों में दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर तनातनी बढ़ी है। कांग्रेस 234 सदस्यों वाली विधानसभा में पहले 40 सीटें चाहती थीं लेकिन DMK ने उसे महज 32 सीटें देने के ही संकेत दिए हैं। इससे खिन्न पार्टी का एक धड़ा विजय की टीवीके के साथ गठबंधन करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व से अनुरोध करता रहा है। दूसरी तरफ, बीजेपी AIADMK की अगुवाई वाले गठबंधन के लिए नई-नई रणनीति बना रहा है। ऐसी सियासी परिस्थितियों में राहुल गांधी की हालिया पोस्ट एक तीर से तीन निशाने जैसा है। पहला तो उन्होंने विजय को उनकी फिल्म के मुद्दे पर समर्थन देकर उनका विश्वास जीतने की कोशिश की है, दूसरा ऐसा कर उन्होंने सहयोगी DMK पर दबाव बढ़ा दिया है कि उसके पास विजय एक विकल्प हो सकते हैं और तीसरा राहुल ने भाजपा पर करारा प्रहार किया है, और उसे तमिल संस्कृति का विरोधी बताकर उसके दक्षिणी विस्तार के मंसूबों को और तीसरा राहुल ने बीजेपी पर करारा प्रहार किया है, और उसे तमिल संस्कृति का विरोधी बताकर उसके दक्षिणी विस्तार के मंसूबों को नाकाम करने की कोशिश की है। तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके का गठबंधन है, लेकिन सीट शेयरिंग को लेकर खींचतान जारी है। विधानसभा चुनाव में राज्य की 234 सीटों में से कांग्रेस 40 सीटें चाहती है, लेकिन डीएमके इसके लिए राजी नहीं है। डीएमके सिर्फ 25 सीटें ही कांग्रेस को दे रही है, जिसे लेकर दोनों के बीच सियासी तनाव बढ़ गया है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के करीबी सांसद माणिक टैगोर ने 35 सीटें और तमिलनाडु की सत्ता में हिस्सेदारी की मांग रखी है, जिसे डीएमके ने साफ इंकार कर दिया है। डीएमके नेता और स्टालिन सरकार में मंत्री आई पेरियासामी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि राज्य में 'कोई गठबंधन सरकार नहीं होगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में हमेशा एक ही पार्टी की सरकार रही है और यह परंपरा चुनावों के बाद भी जारी रहेगी। पेरियासामी ने कहा कि कांग्रेस को अपनी मांग रखने का अधिकार है, लेकिन सीएम एमके स्टालिन इस मांग को मानने के इच्छुक नहीं हैं। यह पहली बार है जब डीएमके ने कांग्रेस की मांग को औपचारिक रूप से खारिज कर दिया है, जो पिछले कई महीनों से जोर पकड़ रही थी। कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग मानता है कि पार्टी को TVK के साथ गठबंधन करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। विजय की लोकप्रियता, खासकर युवाओं और पहली बार वोट देने वाले युवाओं के बीच, कांग्रेस को एक नया राजनीतिक फायदा दे सकती है। ऐसे में पार्टी के अंदर शुरुआती फीडबैक से पता चलता है कि विजय और राहुल गांधी दोनों के नेतृत्व वाले अभियान ज़मीनी स्तर पर लोगों से मज़बूती से जुड़ सकते हैं और राज्य में माहौल बदल सकते हैं। राहुल गांधी के खुलकर विजय की फिल्म के समर्थन उतरने के बाद सोशल मीडिया पर भी दोनों के बीच दोस्ती की मांग उठने लगी है। एक्टर विजय की टीम के सोशल मीडिया हैंडल के जरिए एक पोस्ट किया गया है, जिसमें आरआरआर फिल्म का एक वीडियो शेयर कर राहुल गांधी को धन्यवाद कह गया है है। इस तरह गठबंधन के लिए भी सियासी संदेश दे दिया है। तमिलनाडु में गठबंधन को लेकर कांग्रेस दो धड़ों में बंटी हुई है। पार्टी के सीनियर नेताओं का मानना है कि पार्टी को DMK के साथ अपने लंबे समय के गठबंधन के साथ खड़ा रहना चाहिए। उनका कहना है कि इस साझेदारी ने कई सालों से स्थिरता, प्रासंगिकता और राजनीतिक लाभ दिया है। उनके मुताबिक, नई रणनीति के साथ प्रयोग करना, चाहे वह कितना भी रोमांचक लगे, उसमें जोखिम हो सकता है। इनका तर्क है कि कांग्रेस को DMK के साथ मौजूदा गठबंधन से अलग होने के बजाय, मौजूदा स्थिति का इस्तेमाल करके बेहतर जगह और मौजूदा गठबंधन में मज़बूत भूमिका के लिए बातचीत करनी चाहिए। वहीं, पार्टी का दूसरा गुट थलपति विजय के साथ गठबंधन करने की वकालत कर रहे हैं। राहुल गांधी के करीब प्रवीण चक्रवर्ती ने थलपति विजय का दिल जीतने के लिए स्टालिन सरकार को भी निशाने पर ले लिया था। प्रवीण चक्रवर्ती ने तमिलनाडु के ऋण की तुलना उत्तर प्रदेश से करते हुए कहा कि 2010 में उत्तर प्रदेश का ऋण तमिलनाडु के ऋण से दोगुने से भी अधिक था लेकिन अब तमिलनाडु सबसे अधिक बकाया ऋण और भारी ब्याज दर के साथ सबसे आगे है।

● अशोक भाटिया

दिल्ली का विश्व ...

ललित गर्ग

पढ़ने की लौ एवं किताबों से नाता अटूट है

53वें भारत मंडपम् में 10 से 18 जनवरी 2026 तक नौ दिनों के किताबों के जमावडे ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि किताबों से नाता कभी नहीं टूट पायेगा। इस मेले में 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह भव्य विश्व पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फरोख्त का आयोजन नहीं है, बल्कि यह उस जीवंत पुस्तक-संस्कृति का उत्सव है, जिसे अनेक लोग डिजिटल युग में कमजोर मानने लगे थे। एक-एक किलोमीटर लंबी कतारें, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की उत्सुक भागीदारी और पुस्तकों के प्रति बढ़ता आकर्षण इस धारणा को स्वस्थ करता है कि पुस्तकें जीवन का अभिन्न हिस्सा रही हैं और भविष्य में भी रहेंगी। इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रोनिक माध्यमों पर अपार पाठ्य सामग्री एवं साहित्य उपलब्ध होने के बावजूद पुस्तक मेलों में इतनी भीड़ क्यों आ रही है? छपी हुई पुस्तकें एवं शब्द केवल ज्ञान, जिज्ञासा और मनोरंजन की विशाल दुनिया के दरवाजे नहीं खोलते, वे हमें गंध, स्पर्श, संवेदना, सोच, अनुभूति की प्रेरक, अनुकरणीय एवं रोमांचक दुनिया में भी ले जाते हैं। इस वर्ष के पुस्तक मेले के दृश्य पुस्तक-संस्कृति के प्रति नई आशा, नया विश्वास और नया उत्साह पैदा करते हैं। यह मेला स्पष्ट संकेत देता है कि पढ़ने की प्रवृत्ति केवल जीवित ही नहीं है, बल्कि नए पंखों के साथ उड़ान भर रही है। पुस्तक मेला वस्तुतः एक विश्व उत्सव है-ऐसा उत्सव जो ज्ञान, विचार, कल्पना और संवाद को एक साझा मंच देता है। दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने और संस्कृतियों को जोड़ने के लिए यह आयोजन अतीत और भविष्य के बीच एक मजबूत कड़ी तथा पीढ़ियों और सभ्यताओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है। यही कारण है कि यूनेस्को हर वर्ष पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों-प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों के अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करता है, ताकि पुस्तक-संस्कृति की प्रेरणा पूरे वर्ष बनी रहे। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि पुस्तकें केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद और मानवीय एकता का भी आधार हैं। किताबें अपने सभी रूपों में-मुद्रित, ई-बुक, ऑडियो हमें सीखने, सोचने और स्वयं को सशक्त बनाने का अवसर देती हैं। वे हमारा मनोरंजन करती हैं, हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं और दूसरों की दुनिया में झांकने का अवसर देती हैं। इस साल का मेला 'भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और ज्ञान/75' थीम पर आधारित है, जो भारत की रक्षा बलों के महत्वपूर्ण पलों, योगदानों और कहानियों पर ध्यान केंद्रित करता है। 'थीम मंडप 2026' दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। यह मंडप भारत की सैन्य विरासत के 75 वर्षों की ऐतिहासिक और निर्णायक यात्रा को दिखा रहा है, जिसकी जड़ें शौर्य, प्रज्ञा और नैतिक मूल्यों में निहित हैं. इसमें कथाओं, दृश्यात्मक प्रस्तुतियों और संवाद के माध्यम से 1947 से लेकर ऑपरेशन सिंदूर 2025 तक भारत की सैन्य यात्रा को रेखांकित करता है। दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं। यह मेला भारतीय साहित्य को वैश्विक मंच देता है और साथ ही विश्व साहित्य को भारतीय पाठकों से जोड़ता है। पुस्तकों को 'ज्ञान का बाग' कहा गया है। जो व्यक्ति पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर लेता है, उसे जीवन भर ज्ञान का संबल मिलता है। कठिन समय में पुस्तकें मित्र की तरह साथ देती हैं, मार्गदर्शन करती हैं और समाधान की दिशा दिखाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक और सार्वदेशिक है। किसी भी युग में, किसी भी तकनीकी आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता। इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अनेक क्रांतियां आई हैं और आगे भी आएंगी, लेकिन पुस्तक-संस्कृति अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता बनाए रखेगी। कारण स्पष्ट है-पुस्तकें केवल सूचना नहीं देतीं, वे चिंतन, मनन और विवेक का विकास करती हैं। तकनीक ने ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति अवश्य की है, लेकिन यह हर समय संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर केवल स्क्रीन से पढ़ा जाए। पुस्तक का स्पर्श, उसकी सुगंध, पन्नों को पलटने का अनुभव और पढ़ते हुए होने वाला एकांत संवाद-ये सभी तत्व पुस्तक को विशिष्ट बनाते हैं। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं, सोचने-समझने का दायरा बढ़ाती हैं और व्यक्ति को आत्मअनुशासन सिखाती हैं। पुस्तकें जाग्रत देवता के समान हैं। उनका अध्ययन, मनन और चिंतन तत्काल लाभ देता है। महात्मा गांधी के जीवन पर गीता, टॉल्स्टॉय और थोरो के विचारों का गहरा प्रभाव था। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैचारिक निर्माण और वैश्विक छवि के निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे स्वयं एक सजग पाठक रहे हैं और पुस्तक-संस्कृति को जीवंत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

जबकि इससे ...

कमलेश पांडेय

क्या पैक्स सिलिका में भारत को शामिल करने से अमेरिका को मिलेगा लाभ?

पैक्स सिलिका (Pax Silica) अमेरिका की अगुवाई वाली एक रणनीतिक तकनीकी पहल है जो सिलिकॉन-आधारित सप्लाई चेन को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह एआई (AI), सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निर्भरता कम करने का प्रयास करती है। यह नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय पहल क्रिटिकल मिनरल्स, ऊर्जा संसाधनों, चिप निर्माण, एआई (AI) इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स की सुरक्षित सप्लाई चेन बनाती है। इसलिए अमेरिकी विदेश विभाग इसे पॉजिटिव-सम साझेदारी मानता है, जो चीन जैसी निर्भरताओं से बचाव करती है। इससे विश्वसनीय देशों में नवाचार और निवेश बढ़ता है। इस प्रकार पैक्स सिलिका का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को कम करना और विश्वसनीय देशों के बीच सुरक्षित तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। चूंकि भारत के लिए इसका रणनीतिक महत्व है, इसलिए भारत को हाल ही में इसमें पूर्ण सदस्यता का न्योता मिला है, जो ग्लोबल चिप हब बनने का अवसर देगा। इससे जहां अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसी कंपनियों से भारी निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और रोजगार सृजन होगा। वहीं रक्षा, अंतरिक्ष और सैन्य सुरक्षा में भी मजबूती मिलेगी। इसका प्रमुख उद्देश्य है कि यह वैश्विक पहल महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, सेमीकंड-क्टर, उन्नत विनिर्माण, एआई (AI) अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में दबावपूर्ण निर्भरताओं को घटाती है। उच्च-तकनीकी संयुक्त उद्यमों और रणनीतिक सह-निवेश को बढ़ावा देकर नवाचार को प्रोत्साहित करती है। संवेदनशील प्रौद्योगिकियों को चिंताजनक देशों से बचाने का लक्ष्य रखती है। जहां तक इसकी संरचना की बात है तो अमेरिका इसके संस्थापक सदस्य के रूप में नेतृत्व करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे समान विचारधारा वाले देश शामिल हैं। यह गठबंधन-आधारित मॉडल पर काम करती है, जो साझा निवेश और सहयोग पर जोर देती है। भारत को हाल ही में पूर्ण सदस्यता का निमंत्रण मिला है। जनवरी 2026 में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत को इसमें शामिल करने की घोषणा की। जबकि इससे पहले टैरिफ विवाद से भारत बाहर था, लेकिन अब यह साझेदारी भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई देगी। पैक्स सिलिका में अमेरिका नेतृत्व करता है और इसमें जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। यह पहल विश्वसनीय साझेदार देशों को जोड़ती है ताकि सिलिकॉन सप्लाई चेन मजबूत हो। इसके मुख्य सदस्य देश निम्नलिखित हैं:- संस्थापक सदस्यः अमेरिका (नेतृत्वकर्ता), जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान। अन्य प्रमुख सदस्यः नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया। मसलन, ये देश उच्च-तकनीकी विनिर्माण और AI क्षेत्रों में मजबूत क्षमता रखते हैं। इससे भारत को सेमीकंडक्टर और AI सप्लाई चेन में प्रमुख स्थान मिलेगा।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

राजेश जैन

वैश्विक राजनीतिः आखिर अमेरिका को क्यों चाहिए ग्रीनलैंड

ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। क्षेत्रफल लगभग 21.7 लाख वर्ग किलोमीटर लेकिन आबादी सिर्फ 60 हजार के आसपास। यहां का 80 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढका रहता है। न घने जंगल, न हाईवे, न चमकते शहर। कई महीनों तक सूरज डूबता नहीं और कई महीनों तक रात खत्म नहीं होती। देखने में शांत, ठंडा और वीरान लगने वाला यह द्वीप आज वैश्विक राजनीति के सबसे गर्म मोर्चों में बदल चुका है। वजह है- अमेरिका की पुरानी लेकिन अब खुली और आक्रामक चाहत। डोनाल्ड ट्रंप का संदेश बिल्कुल साफ है- ग्रीनलैंड चाहिए, हर हाल में चाहिए लेकिन सवाल यह है कि अमेरिका को इस बर्फीले, कम आबादी वाले द्वीप की इतनी ज़रूरत क्यों है और क्या अमरीका इसे हासिल कर पाएगा। ग्रीनलैंड दुनिया के नक्शे पर ऐसी जगह स्थित है जो यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के बीच सेतु जैसा काम करता है। उत्तर में आर्कटिक महासागर, पास ही रूस, नीचे यूरोप और पश्चिम में अमेरिका। मतलब साफ है-जो ग्रीनलैंड को कंट्रोल करता है, वह आर्कटिक का चौकीदार बन जाता है। आज युद्ध सिर्फ जमीन पर नहीं लड़े जाते। आसमान, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस- हर मोर्चे पर मुकाबला है। ऐसे में ग्रीनलैंड जैसी लोकेशन सोने से भी ज्यादा कीमती हो जाती है। ग्रीनलैंड में अमेरिका पहले से मौजूद है। यहां स्थित थुले एयर बेस (अब पिटुफिक स्पेस बेस) अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम का अहम हिस्सा है। यहीं से अमेरिका रूस की बैलिस्टिक मिसाइल गतिविधियों पर नजर रखता है, सैटेलाइट ट्रैक करता है, आर्कटिक क्षेत्र की निगरानी करता है। अगर अमेरिका को पूरा ग्रीनलैंड मिल जाता है तो वह आर्कटिक का फुल कंट्रोल सेंटर बन सकता है। रूस लगातार आर्कटिक में नए सैन्य ठिकाने, नई पनडुब्बियां, नए एयरबेस और नई मिसाइलें तैनात कर रहा है। ऐसे में अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड रूस पर नजर रखने का वॉच टावर है। आज की दुनिया मोबाइल, चिप्स, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल सिस्टम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चल रही है। इन सबकी जान हैं-रेयर अर्थ एलिमेंट्स। बिना इनके आधुनिक तकनीक ठप हो जाती है लेकिन इन पर अभी चीन का दबदबा है। करीब 60–70 प्रतिशत सप्लाई चीन से आती है। अमेरिका इस निर्भरता से बाहर निकलना चाहता है और यहीं ग्रीनलैंड अहम हो जाता है। इस द्वीप की धरती के नीचे रेयर अर्थ मिनरल्स का बड़ा खजाना छिपा है। अगर अमेरिका को ग्रीनलैंड मिल जाता है, तो टेक्नोलॉजी की जंग में चीन को सीधी चुनौती मिल सकती है। दुनिया की ऊर्जा भूख खत्म नहीं हुई है। तेल और गैस अब भी वैश्विक राजनीति का ईंधन हैं। ग्रीनलैंड के आसपास समुद्र की गहराइयों में तेल और प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार होने की संभावना है। अभी बर्फ और मौसम खुदाई में रुकावट हैं लेकिन जैसे-जैसे आर्कटिक पिघल रहा है, ये संसाधन सुलभ होते जा रहे हैं। अमेरिका इसे भविष्य का ऊर्जा बैंक मानकर चल रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ पर्यावरण संकट नहीं, यह भू-राजनीतिक बदलाव भी है। आर्कटिक की बर्फ पिघलने से एशिया से यूरोप जाने के नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं। सफर हजारों किलोमीटर छोटा हो सकता है। इस रूट को कहा जा रहा है- आर्कटिक सिल्क रोड ग्रीनलैंड इस रास्ते का प्राकृतिक गेटवे है। जो इस रूट को कंट्रोल करेगा, वह वैश्विक व्यापार की दिशा तय करेगा। अमेरिका यह मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहता। रूस आर्कटिक में सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। चीन निवेश के जरिए पैर जमा रहा है। चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट कहता है, भले ही उसका आर्कटिक से सीधा भौगोलिक रिश्ता न हो। ग्रीनलैंड में चीन ने एयरपोर्ट, माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की कोशिश की। अमेरिका को डर है कि अगर उसने ग्रीनलैंड पर पकड़ नहीं बनाई तो उसका उत्तरी दरवाजा दुश्मनों के लिए खुल जाएगा। इसलिए ग्रीनलैंड सिर्फ जमीन नहीं, रणनीतिक दीवार है। ग्रीनलैंड पर अमेरिका की नजर नई नहीं है। 1867, 1910, 1946; तीन बार अमेरिका ने डेनमार्क को ऑफर दिया। 1946 में तो 100 मिलियन डॉलर का सोना तक देने को तैयार था। हर बार जवाब मिला – ना लेकिन ट्रंप ने डिप्लोमेसी से आगे बढ़कर सीधी ज़िद पकड़ ली-अगर खरीदा नहीं जा सकता तो दबाव डालो। बता दें कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क का साफ संदेश है- ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। ग्रीनलैंड की अपनी सरकार, अपनी संसद और अपनी पहचान है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे डरिक्सन ने अमेरिकी प्रस्ताव को बेतुका बताया। ग्रीनलैंड के नेताओं ने कहा-यह जमीन नहीं, हमारी आत्मा है। यूरोप के देशों ने भी डेनमार्क का समर्थन किया। ग्रीनलैंड बिकेगा, इसकी संभावना लगभग शून्य है क्योंकि आज दुनिया सिर्फ ताकत से नहीं, कानून, संप्रभुता और जनमत से चलती है लेकिन दबाव जारी रहेगा- कभी आर्थिक, कभी कूटनीतिक, कभी रणनीतिक। बहरहाल, अमेरिका, चीन और रूस; तीनों की नजरें इसी बर्फीली धरती पर टिकी हैं। बाहर से शांत दिखने वाला ग्रीनलैंड असल में भविष्य की वैश्विक राजनीति का रणक्षेत्र है। यह द्वीप तय करेगा कि आने वाले दशकों में कौन सुपरपावर रहेगा। अमेरिका को डर है कि अगर उसने ग्रीनलैंड पर पकड़ नहीं बनाई तो उसका उत्तरी दरवाजा दुश्मनों के लिए खुल जाएगा। इसलिए ग्रीनलैंड सिर्फ जमीन नहीं, रणनीतिक दीवार है। ग्रीनलैंड पर अमेरिका की नजर नई नहीं है। 1867, 1910, 1946; तीन बार अमेरिका ने डेनमार्क को ऑफर दिया।

टी-20 फॉर्मेट में होंगे मैच, 2023 में भारतीय मेंस-विमेंस टीम ने गोल्ड जीता था

एशियन गेम्स 2026 : क्रिकेट मुकाबले 17 सितंबर से शुरू होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 के क्रिकेट शेड्यूल का ऐलान मंगलवार को किया गया। एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। जापान 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आइची-नागोया में एशियन गेम्स 2026 की मेजबानी करेगा। हालांकि, आइची-नागोया एशियाई खेल आयोजन समिति (AINAGOC) द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन की शुरुआत आधिकारिक उद्घाटन समारोह से नौ दिन पहले ही हो जाएगी। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। मुकाबले आइची प्रांत के कोरोगी एथलेटिक पार्क में होगा। क्रिकेट एशियाई खेलों में चौथी बार शामिल होगा। ग्वांगझू 2010 एशियाई खेलों में क्रिकेट सबसे पहली बार शामिल हुआ था। बाद में इंचियोन 2014 में इसकी वापसी हुई, हालांकि इन मैचों को अंतरराष्ट्रीय दर्जा नहीं दिया गया था।

2023 में खेले गए एशियन गेम्स में भारतीय क्रिकेट टीम ने गोल्ड जीता था, यह फोटो उसी समय की है।

मेंस कैटेगरी में 10 टीमें हिस्सा लेंगी

विमेंस क्रिकेट मैचेज 17 सितंबर से शुरू होंगे और मेडल मैच 22 सितंबर को होंगे। विमेंस कैटेगरी में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। इसके मैच क्वार्टर फाइनल से शुरू होंगे। मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से शुरू होंगे और 13 अक्टूबर को मेडल फाइनल के साथ समाप्त होगा। इसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी और क्वार्टरफाइनल से पहले तीन दिन के प्रीलिमिनरी मैच खेले जाएंगे। सभी मैच दिन में डबल हेडर होंगे। सुबह का मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे) शुरू होगा, जबकि दोपहर का मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा।

यह फोटो 1900 के पेरिस ओलिंपिक में क्रिकेट इवेंट की है। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया था।

2018 हटाए जाने के बाद 2023 में क्रिकेट की वापसी

इंचियोन 2014 के बाद एशियन गेम्स को जकार्ता 2018 में से हटा दिया गया था। इसके बाद हांगझोऊ 2022 में क्रिकेट की वापसी हुई और इस बार सभी मैचों को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दर्जा दिया गया। भारत ने हांगझोऊ 2022 में मेंस और विमेंस दोनों में गोल्ड मेडल जीता। अफगानिस्तान और श्रीलंका ने मेंस और विमेंस में सिल्वर मेडल, जबकि बांग्लादेश ने दोनों में ब्रॉन्ज मेडल जीता। 2026 एशियाई खेलों के मैच ऐची में आयोजित किए जाएंगे। जब ग्रेट ब्रिटेन ने टेस्ट मैच में फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

मुंबई ने गुजरात को लगातार 8वां डब्ल्यूपीएल मैच हराया

193 का टारगेट 3 विकेट खोकर चेज किया, कप्तान हरमनप्रीत कौर की फिफ्टी

नवी मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) में लगातार 8वां मैच हरा दिया। चौथे सीजन में गुजरात को पहली ही हार मिली। मंगलवार को DY पाटील स्टेडियम में मुंबई ने बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 5 विकेट खोकर 192 रन बनाए। MI ने 19.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिफ्टी लगाई। उनके साथ अमनजोत कौर ने 40, निकोला कैरी ने 38 और हैली मैथ्यूज ने 22 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। टीम से 4 गेंदबाजों ने 1-1 विकेट लिया गुजरात से जॉर्जिया वेयरहम ने 43, भारती फुलमाली ने 36, कनिका आहूजा ने 35 और बेथ मूनी ने 33 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। आयुषी सोनी 14 गेंद पर 11 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुईं, वे WPL में रिटायर्ड हर्ट होने वाली पहली ही प्लेयर बनीं। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर, काशवी गौतम और सोफी डिवाइन ने 1-1 विकेट लिया। चौथे सीजन में गुजरात जायंट्स को लगातार 2 जीत के बाद पहली ही हार मिली।

अमनजोत कौर और हरमनप्रीत कौर ने मुंबई को संभाला।

पहले ओवर में गुजरात ने 1 रन बनाया

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात जायंट्स ने पहले ओवर में 1 रन बनाया। टीम से बेथ मूनी और सोफी डिवाइन ओपनिंग करने उतरीं। मुंबई से शबनिम इस्माइल ने पहला ओवर फेंका। गुजरात जायंट्स ने लगातार 2 मैच जीत लिए हैं। टीम ने यूपी वॉरियर्ज और दिल्ली कैपिटल्स को हराया। वहीं मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया, लेकिन टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार गई। मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। टीम ने नैटली सिवर-ब्रंट की जगह हेली मैथ्यूज को प्लेइंग-11 में शामिल किया।

फास्ट न्यूज

'देली बेली' फैन मीट में आमिर ने सुनाया मजेदार किस्सा

मुंबई। हाल ही में दिल्ली में 'देली बेली' फैन मीट का आयोजन किया गया, जिसमें आमिर खान के साथ उनके भांजे एक्टर इमरान खान, एक्टर-कॉमेडियन वीर दास और पूरी टीम मौजूद थी। इस फैन मीट में एक्टर और सबने 'देली बेली' से जुड़ी अपनी यादें शेयर कीं।

असम के गायक समर हजारिका का निधन

मुंबई। असम के संगीतकार और गायक समर हजारिका का मंगलवार को गुवाहाटी में निधन हो गया। उनकी उम्र 75 साल थी। वह कुछ समय से बीमार थे और हाल ही में अस्पताल से घर लौटे थे। पीटीआई के अनुसार, हजारिका का निधन गुवाहाटी के निजारापार इलाके में उनके घर पर हुआ। इसी इलाके में हजारिका परिवार के सभी सदस्य पहाड़ी पर बने अलग-अलग घरों में रहते हैं। परिवार ने उनकी मौत की पुष्टि की है। समर भारत रत्न से सम्मानित सिंगर भूपेन हजारिका के सबसे छोटे भाई थे। वो दस भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उन्होंने रेडियो, एल्बम और फिल्मों के लिए कई गाने गाए और संगीत भी तैयार किया। हजारिका ने 1960 के दशक में अपने म्यूजिक करियर की शुरुआत की। उनका पहला एल्बम उत्तर कोंवर प्रोतिमा बरुआ देवी 1968 में रिलीज हुआ था।

बाजार में गिरावट के बाद रिकवरी, सेंसेक्स 100 अंक चढ़ा

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 14 जनवरी को 250 अंक की गिरावट के बाद रिकवरी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 100 अंक चढ़कर 83,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 50 अंक की तेजी है। ये 25,750 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और 10 में गिरावट है। ऑटो और IT शेयर में बिकवाली देखने को मिल रही है।

करण पर लगे आरोपों के बीच पत्नी की पहली पोस्ट

पलक औजला ने इंस्टाग्राम पर सिंगर के साथ तस्वीर शेयर की

मुबंई, एजेंसी

पंजाबी सिंगर और रैपर करण औजला इन दिनों चर्चा में हैं। औजला पर एक कनाडाई आर्टिस्ट ने चीटिंग के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का दावा है कि सिंगर ने अपनी शादीशुदा जिंदगी की बात छुपाकर उनके साथ रिलेशनशिप रखा। सोशल मीडिया पर एमएस गोरी म्यूजिक नाम से पहचानी जाने वाली इस आर्टिस्ट के आरोपों के बाद अब एक ऑस्ट्रेलियाई महिला भी सामने आई है, जिसने भी औजला पर आरोप लगाए हैं। ऑस्ट्रेलियाई महिला, जो खुद को डीजे स्वान म्यूजिक बताती हैं, ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर दावा किया कि करण उन्हें भी डीएम कर रहे थे। इन आरोपों के बीच सिंगर की पत्नी पलक औजला का एक सोशल मीडिया पोस्ट भी चर्चा में आ गई है। जहां करण ने अब तक इन आरोपों पर चुप्पी साध रखी है, वहीं उनकी पत्नी पलक का पोस्ट लोगों का ध्यान खींच रहा है। पलक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी और करण की एक तस्वीर शेयर की है। गौरतलब है कि यह पोस्ट ऐसे समय पर सामने आई है, जब सिंगर पर चीटिंग के आरोप लग रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पलक ने इस पोस्ट के जरिए पति को अपना सपोर्ट दिया है। पलक द्वारा शेयर की गई तस्वीर किसी इवेंट की लग रही है, जिसमें कपल साथ नजर आ रहा है। फोटो में करण व्हाइट सूट में दिखाई दे रहे हैं, जबकि पलक ब्लैक लहंगे में नजर आ रही हैं।

श्रद्धा की शादी की अटकलों पर भाई का मजेदार रिएक्शन

सिद्धांत कपूर बोले- ये तो मेरे लिए भी न्यूज है

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर शादी की चर्चाएं तेज हैं। दावा किया जा रहा है कि श्रद्धा अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकती हैं। हालांकि, इस पर अब तक श्रद्धा की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं किया गया है। दरअसल, एक पोस्ट में दावा किया गया कि श्रद्धा और राहुल की शादी राजस्थान के उदयपुर में हो सकती है। जिसके बाद इन दावों पर श्रद्धा के भाई और एक्टर सिद्धांत कपूर ने मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी। सिद्धांत ने इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही एक पोस्ट के कमेंट सेक्शन में हैरानी और हंसी वाले इमोजी के साथ लिखा, "ये तो मेरे लिए भी न्यूज है।" बता दें कि श्रद्धा और सिद्धांत, दोनों ही एक्टर शक्ति कपूर के बच्चे हैं। पिछले हफ्ते श्रद्धा ने भी अपनी शादी को लेकर चर्चा तब बढ़ा दी थी, जब उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक फैन के सवाल का जवाब दिया था। फैन ने पूछा था, " श्रद्धा जी शादी कब करोगे?" इस पर श्रद्धा ने मजाकिया अंदाज में लिखा था, "मैं करूंगी, यू विवाह करूंगी।" उनके इस जवाब को फैंस ने शादी की ओर इशारा माना। बता दें कि श्रद्धा और राहुल के रिश्ते की चर्चा पहली बार 2024 की शुरुआत में तब हुई, जब दोनों को मुंबई में एक डिनर डेट के बाद साथ देखा गया था। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से कभी स्वीकार नहीं किया है, लेकिन उन्हें अक्सर साथ स्पॉट किया गया है।

याह्या सिनवार के बाद कौन बनेगा हमास चीफ, चुनाव जल्द

खालिद मशाल सबसे बड़ा दावेदार, इजराइल ने जहर दिया था फिर खुद बचाया

गाजा, एजेंसी

गाजा जंग में अपने कई टॉप अधिकारियों के मारे जाने के बाद हमास अपने संगठन को मजबूत करने के लिए आंतरिक चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। हमास से जुड़े एक नेता ने न्यूज एजेंसी AFP से बताया कि इसकी तैयारियां चल रही हैं। जमीनी हालात ठीक होते ही चुनाव कराए जाएंगे। अधिकारी के मुताबिक ये चुनाव कुछ ही दिनों में होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब हमास चीफ बनने के लिए खालिद मशाल का नाम सबसे आगे चल रहा है। इजराइल ने उसे मारने के लिए जहर दिया था, लेकिन इससे जॉर्डन से उसके संबंध खराब हो गए थे। इजराइल को मजबूरी में उसे बचाना पड़ा था। अक्टूबर 2023 में इजराइल जंग की शुरुआत के बाद हमास के 2 चीफ मारे जा चुके हैं। इजराइल ने जुलाई 2024 में तेहरान में इस्माइल हानिया की हत्या कर दी थी। इसके बाद अगस्त में याह्या सिनवार को हमास चीफ बनाया गया, लेकिन दो महीने बाद अक्टूबर में सिनवार को राफा शहर में गोलीबारी के दौरान मारा गया। सिनवार के मारे जाने के बाद हमास में किसी को भी चीफ नहीं बनाया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जंग की हालत में चुनाव में होने वाली मुश्किलों के चलते किसी को चीफ नहीं बनाया गया। यह भी माना गया कि अगर कोई नया चीफ बनाया जाता है तो इजराइल उसे निशाना बना सकता है। इसके बाद हामास ने कतर में स्थित पांच सदस्यों वाली एक अंतरिम लीडरशिप कमिटी बनाई। ताकि जिम्मेदारी बंटी रहे और किसी एक शख्स पर पूरा खतरा न आए। बीते 15 महीने से यही कमिटी हमास से जुड़े फैसले ले रही है। हमास ने अपनी 5 मेंबर वाली इंटरिम के सभी नाम सार्वजनिक तौर पर घोषित नहीं किए हैं। हालांकि अलग-अलग रिपोर्ट्स और हमास से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पांच लोगों में अलील अल हय्या, खालिद मशाल, मूसा अबू मरजूक, जहीर जबरीन और निजार अवादल्लाह शामिल हैं।

खालिद मशाल 1996 में हमास का पोलिटिकल ब्यूरो चीफ बना और 2017 तक इसका हेड रहा।

इसरो का रॉकेट फेल, फिर भी स्पेनिश सैटेलाइट एक्टिव

स्पेस से सिग्नल भेजा, कंपनी बोली- किस रास्ते से पहुंचा, पता लगा रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

ISRO का PSLV-C62 मिशन सोमवार को फेल हो गया। उड़ान भरने के 8 मिनट बाद PSLV रॉकेट तय रास्ते से भटक गया। इसी रॉकेट से एक सैटेलाइट भेजने वाली स्पेन की कंपनी ने मंगलवार को कहा है कि उसे इसका सिग्नल मिला है। स्पेन की स्टार्टअप कंपनी ऑर्बिटल पैराडाइम ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि तकनीकी गड़बड़ी से पहले ही उनका KID (केस्ट्रेल इनिशियल डेमोंस्ट्रेटर) सैटेलाइट रॉकेट से अलग हो चुका था। इसी वजह से उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा। ऑर्बिटल पैराडाइम ने यह भी बताया कि अब यह पता लगाया जा रहा है कि सैटेलाइट किस रास्ते से अंतरिक्ष में पहुंचा। उसके ट्रैजेक्ट्री से जुड़े पूरे तकनीकी आंकड़े और विश्लेषण बाद में एक विस्तृत रिपोर्ट के रूप में जारी किए जाएंगे। मिशन फेल होने के बावजूद कैप्सूल का सक्रिय हो जाना स्पेनिश कंपनी के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। यह एक टेस्ट और डेमोंस्ट्रेशन मिशन है, जिसका मकसद भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए तकनीक को परखना था। कंपनी के मुताबिक, KID कैप्सूल का मकसद अंतरिक्ष में कुछ समय तक सक्रिय रहकर सिग्नल और तकनीकी डेटा भेजना था।

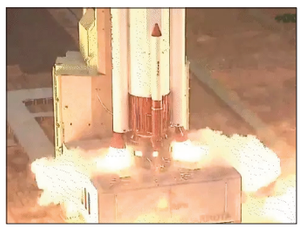

इसरो ने मिशन के फेल होने की क्या वजह बताई

ISRO के मुताबिक PSLV-C62 मिशन थर्ड स्टेज के आखिर में गड़बड़ हुआ। टेलीमेट्री डेटा में पता चला कि रॉकेट के रोल रेट (घूमने की गति/कंट्रोल) में डिस्टर्बेंस आ गई, यानी रॉकेट अनियंत्रित होकर घूमने लगा और अपना तय फ्लाइट पाथ छोड़कर भटक गया। ISRO चीफ वी. नारायणन ने कहा कि तीसरे स्टेज के अंत तक प्रदर्शन सामान्य था, उसके बाद रोल रेट में गड़बड़ी और फ्लाइट पाथ में डेविएशन दिखा।

बढ़त : दिसंबर में खाने-पीने की चीजें महंगी होने से 0.83% पर पहुंची, नवंबर में माइनस 0.32% पर थी

थोक महंगाई 8 महीने में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिसंबर में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 0.83% पर पहुंच गई है। ये 8 महीनों का हाई लेवल है। खाने-पीने की चीजें महंगी होने से महंगाई बढ़ी है। इससे पहले नवंबर में ये माइनस 0.32% पर थी। वहीं अक्टूबर में ये माइनस 1.21% पर आ गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 दिसंबर को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं। दिसंबर में रिटेल महंगाई पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 1.33% के स्तर पर पहुंच गई है। ये तीन महीनों का हाई लेवल है। इससे पहले नवंबर में ये 0.71% पर थी। वहीं अक्टूबर में ये 0.25% पर थी, जो 14 साल में सबसे कम स्तर था। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86%, हाउसिंग की 10.07% और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है। रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई माइनस 2.93% से बढ़कर 0.21% हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 2.60% से बढ़कर 0% हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 2.27% से घटकर माइनस 2.31% रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.33% से बढ़कर 1.82% रही।

महंगाई कैसे मापी जाती है?

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है।

होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। WPI में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

रेलवन एप से जनरल टिकट पर आज से 3% डिस्काउंट

नई दिल्ली। रेलवन (RailOne) एप के जरिए अनरिजर्व्ड (जनरल) टिकट बुक करके UPI, क्रेडिट, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग से पेमेंट करने पर आज से 3% डिस्काउंट मिलेगा। इसके अलावा रेलवन एप से टिकट बुक करके अगर पमेंट R-वॉलेट से किया तो दुगना फायदा मिलेगा। क्योंकि इससे जनरल टिकट बुक करने पर 3% छूट पहले से दी जा रही थी। इसे आज से बढ़ाकर 6% कर दिया गया है। यह ऑफर 14 जुलाई 2026 तक यानी 6 महीने के लिए लागू रहेगा। भारतीय रेलवे ने 30 दिसंबर को जनरल टिकट पर डिस्काउंट देने का ऐलान किया था। रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 3% डिस्काउंट का यह ऑफर केवल रेलवन एप पर ही उपलब्ध होगा। यदि यात्री किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या वेबसाइट से जनरल टिकट बुक करते हैं, तो उन्हें डिस्काउंट नहीं मिलेगा। इसका उद्देश्य यात्रियों को रेलवे के आधिकारिक एप की ओर शिफ्ट करना है ताकि स्टेशनों पर टिकट काउंटरों पर लगने वाली भीड़ को कम किया जा सके।

चांदी तीन दिन में ₹34 हजार बढ़ी

₹2.77 लाख प्रति किलो बिक रही, सोना ₹1.42 लाख/10ग्राम ऑल टाइम हाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम आज (14 जनवरी) को लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई पर हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 14,145 रुपए बढ़कर 2,77,175 रुपए हो गई है। कल इसने 2,63,032 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। तीन दिन में चांदी 34 हजार रुपए से ज्यादा महंगी हो चुकी है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,868 रुपए बढ़कर 1,42,152 रुपए के ऑल टाइम हाई पर ओपन हुआ है। कल इसकी कीमत 1,40,482 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई। सोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स और EV में भारी इस्तेमाल, चांदी अब सिर्फ ज्वेलरी नहीं, जरूरी कच्चा माल बन गई है। अमेरिकी कंपनियां चांदी का भारी स्टॉक जमा कर रही हैं, ग्लोबल सप्लाई में कमी से कीमतें ऊपर चढ़ीं।

गोल्ड में तेजी के 3 प्रमुख कारण

- डॉलर कमजोर- अमेरिका के ब्याज दर घटाने से डॉलर कमजोर हुआ और सोने की होल्डिंग कॉस्ट कम हुई, इससे लोग खरीदने लगे।
- जियोपॉलिटिकल झ रूस-यूक्रेन जंग और दुनिया में तनाव बढ़ने से निवेशक सोने को सबसे सुरक्षित निवेश मानकर खरीद रहे हैं।
- रिजर्व बैंक झ चीन जैसे देश अपने रिजर्व बैंक में सोना भर रहे हैं, ये सालभर में 900 टन से ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं, इसलिए दाम ऊपर जा रहे हैं।

दिल्ली बम धमाके के आरोपी डॉ. परवेज से तार, बनाया था इस्लामिक मेडिकोज ग्रुप

केजीएमयू लव जिहाद आरोपी डॉ. रमीज के आतंकी कनेक्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) लव जिहाद और धर्मांतरण के तार दिल्ली बम धमाके से जुड़ रहे हैं। इस मामले के आरोपी डॉ. रमीजुद्दीन नायक उर्फ रमीज मलिक के कनेक्शन दिल्ली बम धमाके की मुख्य आरोपी डॉ. शाहीन के भाई सहआरोपी डॉ. परवेज से मिले हैं। STF ने इस दिशा में अपनी जांच तेज कर दी है। इसी सिलसिले में STF की टीम मंगलवार को आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंची थी। वहां जूनियर और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों से जुड़ा 13 साल का पूरा रिकॉर्ड तलब किया है। डॉ. रमीज और डॉ. परवेज ने इसी कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। इस वजह से STF का यह कदम काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। केजीएमयू लव जिहाद और मतांतरण मामले की जांच एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश शुक्ला को सौंपी गई है। इससे पहले बलरामपुर में छांगुर के साम्राज्य को ध्वस्त करने में अहम भूमिका निभा चुके प्रमेश शुक्ला के नेतृत्व में टीम अब डॉ. रमीज के पूरे नेटवर्क की तह तक जाने में जुटी है।

जूनियर छात्रों के साथ हॉस्टल में रहता था

जांच में सामने आया है कि डॉ. रमीज ने वर्ष 2012 में एसएन मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस में प्रवेश लिया था और 2018 तक पढ़ाई की। वह वर्ष 2013 से 2018 के बीच हॉस्टल में रहा। पीजी में चयन न होने के बावजूद वह जूनियर छात्रों के साथ हॉस्टल में ही रह रहा था। एसटीएफ इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि इस दौरान उसका किन-किन छात्रों से संपर्क रहा और उसका प्रभाव किस स्तर तक था।

डॉ. परवेज से कनेक्शन और इस्लामिक मेडिकोज ग्रुप

एसटीएफ की जांच में एक अहम कड़ी डॉ. परवेज से जुड़कर सामने आई है। जिस वर्ष डॉ. रमीज ने एसएन मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश लिया था, उसी वर्ष दिल्ली बम धमाके के मामले में गिरफ्तार डॉ. परवेज ने यहां एमडी में दाखिला लिया था। आरोप है कि दोनों ने मिलकर मेडिकल कॉलेज में 'इस्लामिक मेडिकोज' नाम से एक वॉट्सऐप ग्रुप बनाया और इसके जरिए मुस्लिम छात्रों को संगठित करने के साथ टॉपर छात्राओं को फंसाकर मतांतरण की साजिश रची।

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि फरारी के दौरान डॉ. रमीज दिल्ली, उत्तराखंड और पश्चिमी यूपी समेत कई स्थानों पर होटलों और परिचितों के यहां रुका था। इस दौरान उसके बैंक खातों में लाखों रुपए का लेन-देन हुआ। तफ्तीश में सामने आया है कि उसने एक युवक के खाते में पांच से सात लाख रुपए ट्रांसफर किए थे। एसटीएफ जल्द ही खाता धारक से पूछताछ करेगी और यह भी जांच की जा रही है।

डॉ. रमीज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

13 साल के रेजिडेंट डॉक्टरों का रिकॉर्ड खंगालेगी एसटीएफ

STF की स्थानीय यूनिट के इंस्पेक्टर यतींद्र शर्मा और हेड कॉन्स्टेबल अंकित गुप्ता मंगलवार दोपहर एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा पहुंचे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता से वर्ष 2012 से अब तक के सभी जूनियर और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों का विस्तृत विवरण मांगा है। एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक, रिकॉर्ड मिलने के बाद डॉ. रमीज की पूरी कुंडली तैयार की जाएगी।

पत्नी की हत्या की, फिर फांसी लगाकर दे दी जान

उन्नाव में गले में रस्सी बांधकर छत से कूद गया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में एक युवक ने दुपट्टे से पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद वह दो मंजिला घर की छत पर गया और वहां रखी रस्सी से फंदा बनाकर कूद गया। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच सुबह से ही किसी बात को लेकर झगड़ा चल रहा था। पड़ोसी ने बताया कि दोनों को झगड़ता देखकर वह बीच-बचाव करने गया और समझाकर आया। इसके करीब एक घंटे बाद घर में कोई हलचल नहीं दिखी तो उसने अंदर झांककर देखा। पत्नी जमीन पर पड़ी हुई थी। फिर पुलिस को सूचना दी। यह वारदात बुधवार सुबह बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के नौनिहाल गंज मोहल्ले की है। परिजनों के अनुसार, मंगलवार शाम को भी पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। अगले दिन सुबह फिर दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ, जिसके बाद यह घटना हुई। नौनिहाल गंज मोहल्ले का रहने वाला संजय गुप्ता (42) ई-रिक्शा चलाता था। उसके परिवार में मां सियादुलारी (65), पत्नी वंदना (38) और दो बच्चे हर्ष (6) व खुशी (4) थे। मां ने बताया कि आए दिन पति-पत्नी के बीच लड़ाई होती रहती थी। मंगलवार शाम को संजय शराब पीकर घर आया था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ। किसी तरह समझाकर दोनों को शांत कराया गया। सभी ने खाना खाया और सो गए। बुधवार सुबह सब कुछ सामान्य था। सियादुलारी किसी काम से मोहल्ले में चली गईं और बच्चे बाहर खेल रहे थे।

फास्ट न्यूज

गंगा घाट पर मकर संक्रांति पर उमड़ी भीड़

कानपुर। मकर संक्रांति के अवसर पर बुधवार सुबह कानपुर के सरसैया घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तड़के से ही लोग गंगा स्नान के लिए घाट पर पहुंचने लगे और श्रद्धा के साथ गंगा में डुबकी लगाकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया। श्रद्धालुओं ने सूर्य नमस्कार भी किया। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

सहकारी संघ पर खाद वितरण के दौरान भीड़

बाराबंकी। दरियाबाद विकासखंड के मथुरानगर स्थित सहकारी संघ पर बुधवार को खाद वितरण के दौरान किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रेलवे स्टेशन के पास स्थित इस संघ पर सुबह से ही किसान खाद लेने के लिए लंबी कतारों में खड़े थे। किसी भी अव्यवस्था से बचने के लिए मौके पर पुलिस बल भी तैनात किया गया था। खाद वितरण के दौरान कई किसानों ने गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए। रानेपुर निवासी नीरज, मिर्जा का पुरवा निवासी विपिन और क्यामपुर निवासी ईश्वरदीन ने बताया कि वे पिछले दो घंटे से लाइन में लगे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक खाद नहीं मिल सकी है। किसानों का आरोप है कि कुछ लोगों को बिना लाइन के ही खाद वितरित की जा रही है, जिससे कतार में खड़े किसानों में नाराजगी बढ़ रही है। वहीं, सहकारी संघ के सचिव मयंक बाजपेई ने किसानों के आरोपों को खारिज किया।

बात करते-करते 10 सेकेंड में व्यक्ति की मौत

मथुरा। मथुरा में एक व्यक्ति की चाय की दुकान पर बातचीत करते-करते अचानक मौत हो गई। बातचीत के दौरान वह पास रखे स्टूल को उठाने के लिए झुका और अचानक लुढ़ककर गिर पड़ा। वहीं खड़ी एक महिला ने उसे संभालने की कोशिश की। देखते ही देखते वह बेहोश हो गए। महज 10 सेकेंड के भीतर उसकी मौत हो गई। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। यह घटना सोमवार सुबह गोवर्धन चौराहे की बताई जा रही है।

सोनू कश्यप के परिजनों से मिलने आए लोगों को रोका

ज्वालागढ़ में 5 जनवरी को हुई थी हत्या, राज्यमंत्री को टोल प्लाजा पर रोका

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के सरधना थानाक्षेत्र के ज्वालागढ़ में मुजफ्फरनगर के सोनू कश्यप की हत्या का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। कपसाड़ गांव का मामला शांत नहीं हुआ था। उसके साथ अब ज्वालागढ़ में आक्रोश भड़क रहा है। बुधवार को गांव मे काफी पुलिसबल तैनात है। साथ ही पीड़ित परिवार से मिलने आ रहे नेताओं, लोगों को पुलिस मिलने नहीं दे रही है। वहीं राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप भी पीड़ित परिवार से मिलने आ रहे थे, लेकिन पुलिस ने उनको दादरी के पास ही रोक दिया है। मृतक सोनू की बहन और परिजनों को दादरी में भिजवाया जा रहा है। जहां मंत्री से मुलाकात होगी। काफी लोगों को मेरठ शहर में एंट्री ही नहीं दी गई। उनको शहर के बाहर ही बॉर्डर पर रोक दिया गया है। कुछ को दादरी में ही रोक दिया गया है। वहीं जो लोग गांव पहुंच भी गए हैं उनको पीड़ित परिवार से मिलने नहीं दिया जा रहा। आज मृतक सोनू कश्यप की मां और बहन मेरठ ज्वालागढ़ में आए हैं। क्योंकि यहीं सोनू को मारा गया था। उनसे मिलने जो लोग आ रहे हैं उनकी मुलाकात नहीं कराई जा रही है। मौके पर पहुंचे कश्यप बिरादरी के नेताओं ने कहा कि किस तरह से इस परिवार की मदद हो सकती है। वो मदद करने का प्रयास सरकार को भी करना चाहिए। सीओ ने कहा कि मंत्रीजी से मुलाकात करने परिवार को दौराला पर भेजा गया है। हमारा उद्देश्य भी पीड़ित परिवार को सही न्याय देना और मदद करना है। वहीं इस पूरे घटनाक्रम के बाद पूरे इलाके में काफी पुलिसबल तैनात किया गया है।

डायरेक्टर बोले- बैंक ने फर्जी एफडी और खाता खोलकर पैसा ट्रांसफर कराया, लखनऊ में एफआईआर

वन निगम के खाते से 64.82 करोड़ की हेराफेरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश वन निगम के करोड़ों रुपये के साथ बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। वन निगम ने बैंक ऑफ इंडिया की सदर शाखा, लखनऊ पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि फर्जी तरीके से सावधि जमा (एफडी) रसीद जारी कर निगम को गुमराह किया गया और निगम के नाम से फर्जी खाता खोलकर 64.82 करोड़ रुपये स्थानांतरित कर दिए गए। मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वन निगम के अधिकारियों के अनुसार, बैंक ऑफ महाराष्ट्र में निवेश की गई 64 करोड़ 82 लाख 21 हजार 365 रुपये की धनराशि 29 दिसंबर 2025 को परिपक्व हुई थी। इस राशि को पुनः निवेश करने के उद्देश्य से निगम ने ई-मेल के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रीयकृत और निजी बैंकों से निवेश प्रस्ताव मांगे थे। 30 दिसंबर 2025 को प्राप्त प्रस्तावों की निविदा खोली गई, जिसमें बैंक ऑफ इंडिया, सदर शाखा लखनऊ द्वारा 6.73 प्रतिशत कालेबल ब्याज दर का प्रस्ताव सबसे अधिक पाया गया इसके बाद 31 दिसंबर 2025 को वन निगम ने एचडीएफसी बैंक, गोमती नगर शाखा को निर्देश दिए कि वह पूरी परिपक्व राशि बैंक ऑफ इंडिया के इंटरमीडियरी या पार्किंग अकाउंट में ट्रांसफर कर दे। हालांकि, निगम का आरोप है कि जिस खाते में राशि ट्रांसफर की गई, उसे खोलने की न तो किसी प्रकार की अनुमति दी गई थी और न ही संबंधित खाता धारक वन निगम का अधिकृत कर्मचारी या प्रतिनिधि है। वन निगम का कहना है कि बाद में जांच के दौरान सामने आया कि बैंक ऑफ इंडिया की ओर से जारी की गई एफडी रसीद भी संदिग्ध है, जिससे यह आशंका गहराई है कि पूरा लेन-देन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर किया गया। निगम अधिकारियों का दावा है कि यदि समय रहते मामले का खुलासा नहीं होता, तो सरकारी धन को भारी नुकसान हो सकता था। मामले के उजागर होने के बाद वन निगम ने तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर लखनऊ पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस अब बैंक से जुड़े अधिकारियों, संबंधित खातों, ई-मेल संचार और लेन-देन की पूरी प्रक्रिया की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण में किसी आंतरिक व्यक्ति की भूमिका तो नहीं रही। फिलहाल यह मामला प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है।

समय पर पैसा न पहुंचने का बहाना, बाद में बदलीं शर्तें

वन निगम का आरोप है कि निर्धारित समय तक राशि बैंक ऑफ इंडिया के खाते में नहीं पहुंचने का हवाला देते हुए बैंक ने पहले स्वीकृत ब्याज दर पर एफडी बनाने से मना कर दिया। बैंक ने यह भी कहा कि 1 जनवरी 2026 से नई ब्याज दरें लागू हो चुकी हैं। कुछ समय बाद बैंक ऑफ इंडिया की ओर से निगम को बताया गया कि केवल 6.82 करोड़ की एफडी बनाई गई है, जबकि वास्तविक ट्रांसफर की गई राशि 64.82 करोड़ थी। इतना ही नहीं, बैंक ने वन निगम के नाम से एक बचत खाता खोले जाने की भी जानकारी दी।

एफडी की पुष्टि से इनकार

जब वन निगम ने बैंक से सावधि जमा रसीद की लिखित पुष्टि मांगी, तो बैंक की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद पूरे लेन-देन पर संदेह गहराता गया और निगम ने इसे सुनियोजित धोखाधड़ी करार दिया। वन निगम के प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार सिंह ने पूरे मामले की शिकायत गाजीपुर थाने में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर FIR दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि बैंक रिकॉर्ड, खातों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

करोड़ों रुपये के इस कथित घोटाले ने बैंकिंग व्यवस्था और सरकारी संस्थानों में निवेश प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

2 भाई समेत 4 लड़के तालाब में डूबे

ठंड में चारों के शव अकड़ गए, हजारों की संख्या में भीड़ जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में दो सगे भाई समेत 4 लड़कों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मंगलवार शाम को चारों तालाब के पास खेल रहे थे। उसके बाद काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश की। लेकिन, कुछ पता नहीं चला। बुधवार सुबह जब परिवार वाले तालाब के पास पहुंचे तो चप्पल और कपड़े मिले। जाल डालकर सर्च कराया तो सभी के शव मिल गए। इसके बाद परिवारों में कोहराम मच गया। हादसा पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर के पास कुसुआ गांव में हुआ है। मृतकों में 3 नाबालिग और एक 19 साल का लड़का है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त मनौरी के हुसैनपुर के अहमदपुर पावन गांव के 19 साल के करन पुत्र राजेश सोनकर, 10 साल के प्रियांशु पुत्र संजीव और दो सगे भाई 10 साल का प्रिंस और 13 साल के प्रतीक के तौर पर हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। चाचा रंजीत सोनकर ने बताया- मेरे चार भतीजे हैं। मंगलवार शाम को करीब साढ़े 3 बजे से गायब थे। उन्हें रात में 2 बजे तक खोजते रहे। गांव में भी खोजा। मेले में भी जाकर पता किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। हमारे साथ गांव के लोग भी थे। जब कुछ पता नहीं चला तो घर आ गए। बुधवार सुबह फिर से उन्हें खोजने निकले। करीब 2 किलोमीटर दूर सुबह 9 से साढ़े 9 के बीच गांव के तालाब के पास कुछ कपड़े मिले और चप्पल मिले तो हम लोगों को शक हुआ। चाचा रंजीत सोनकर ने बताया- जब कपड़े मिले तो हम लोगों ने गांव से जाल मंगवाया। जब गांव वालों ने जाल लगाया तो बच्चों की लाश मिली। इसमें करन सोनकर, प्रतीक, प्रिंस और प्रियांशु सोनकर का शव मिला। उन्होंने बताया- हम लोग 6 भाई है। इसमें सबसे छोटे भाई संदीप सोनकर की 2024 में मौत हो गई थी। घर में उनकी पत्नी और उनकी दो बेटियां और एक बेटा प्रियांशु था। इसमें प्रियांशु की डूबकर मौत हो गई है। करन 11वीं में पढ़ता था। जबकि प्रतीक क्लास 4, प्रिंस क्लास 3 और प्रियांशु क्लास 3 में पढ़ता था। कक्षा 4 और प्रिंस कक्षा 3 में था, प्रियांशु भी कक्षा 3 में पढ़ता था। ग्रामीणों का कहना है कि मनोरी रेलवे स्टेशन के नए भवन के ठीक पीछे घटना हुई।

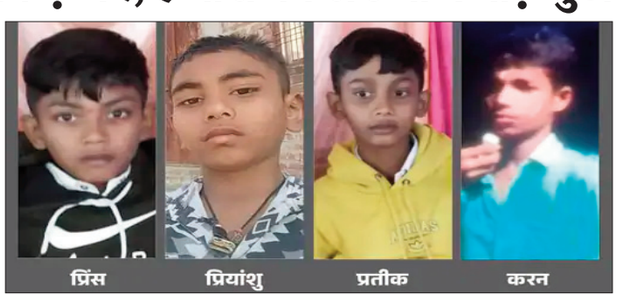

मुलाकात : बोले- मेरे आने से पहले पुलिस बिटिया को जबरन ले गई, सरकार क्या छिपाना चाह रही

कानपुर गैंगरेप पीड़िता के पिता से मिले अजय राय

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय बुधवार को अचानक कानपुर पहुंचे। सचेंडी में गैंगरेप पीड़िता के घर आए। यहां पीड़िता के पिता से बात की। उन्हें पिता के कंधे पर हाथ रखकर भरोसा दिया कि कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। अजय राय ने कहा कि 14 वर्षीय लड़की के साथ एक दरोगा ने रेप किया। उसके बाद पुलिस ने आरोपी दरोगा को भागने का मौका दिया। पुलिस का आदमी है, कहां भाग कर जाएगा। पुलिस ही आरोपी दरोगा को बचा रही है। उन्होंने कहा- पुलिस ने हमारे आने से पहले पीड़ित बिटिया को हटा दिया। पुलिस जबरदस्ती बिटिया को ले गई। कहीं बिठा रखा है। सरकार क्या छिपाना चाह रही है। उधर, पिता ने कहा कि सुबह करीब 9 बजे थाने से पुलिस आई। कोर्ट में बयान कराने कि बात कहकर बिटिया को लेकर गई। उसका भाई भी साथ में गया। अजय राय ने कहा- केवल दिखावे के लिए आरोपी पर इनाम घोषित किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ये रक्षक अब पूरी तरह भक्षक बन गए हैं। योगी सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है।

कांग्रेस कार्यकर्ता भी अजय राय के साथ मौजूद रहे। ये सभी लोग सचेंडी में पीड़िता के घर पहुंचे थे।

अजय राय बोले- पीड़ित परिवार को सरकार 50 लाख दे

अजय राय ने कहा- सोचिए, आज प्रदेश की कानून व्यवस्था कहां चली गई है। इस पीड़ित परिवार का मकान आप देख लीजिए, न घर है, न खेत है। गांव में न सड़क है, न बिजली है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि पीड़ित परिवार को 50 लाख मुआवजा दिया जाए। परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए। पीड़िता का घर बनवाया जाए। जमीन दी जाए।

दरोगा की चिट्ठी पर बरसे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

आरोपी दरोगा अमित कुमार मौर्य ने मुख्यमंत्री और कानपुर पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर CBI जांच की मांग की है। इस पर अजय राय ने कहा- जब आरोपी खुद इस मामले में सफाई दे रहा है, तो इससे साफ है कि सरकार और प्रशासन उसे बचाने में लगे हैं। फिलहाल पीड़िता को पुलिस घर से लेकर गई है। पीड़िता का भाई घर पर मौजूद नहीं है, जबकि पिता घर पर ही मौजूद हैं। परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए। पीड़िता का घर बनवाया जाए। जमीन दी जाए।

पृष्ठ 01 का शेष...

भारतीय पासपोर्ट ...

पिछले साल 2025 में PAK की रैंकिंग 103 थी। हालांकि, फिर भी उसका पासपोर्ट विश्व का पांचवां सबसे कमजोर पासपोर्ट है। उसके नागरिक 31 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते हैं। पिछले साल पाकिस्तानी पासपोर्ट चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट था। हालांकि, पाकिस्तानी नागरिक 33 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते थे। साल में दो बार यह रैंकिंग जारी की जाती है। पहली बार जनवरी और दूसरी बार जुलाई में इंडेक्स जारी किए जाते हैं। हेनली पासपोर्ट वीजा इंडेक्स की वेबसाइट के मुताबिक पूरे साल रियल टाइम डेटा अपडेट किया जाता है। वीजा पॉलिसी में बदलाव भी ध्यान में रखे जाते हैं। रैंकिंग इस आधार पर तय की जाती है कि किसी देश का पासपोर्ट होल्डर कितने दूसरे देशों में बिना पूर्व वीजा हासिल किए यात्रा कर सकता है। इसके लिए उसे पहले से वीजा लेने की जरूरत नहीं होगी। इसके अलावा कई देश वीजा फ्री ट्रैवल का ऑप्शन भी देते हैं। इसका मतलब यह है कि उस देश में कुछ खास देशों के लोग बिना वीजा के भी जा सकते हैं। हालांकि इसकी शर्तें तय रहती हैं। पासपोर्ट किसी सरकार से जारी वह डॉक्यूमेंट होता है जो इंटरनेशनल यानी अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए उसके होल्डर की पहचान कराता है और राष्ट्रीयता को वेरिफाई करता है।

मणिकर्णिका घाट...

यह देवी अहिल्याबाई होल्कर के बनाए 5 घाटों में से एक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी जगह पर भगवान विष्णु की मणि गिरी थी, जिससे इसका नाम मणिकर्णिका पड़ा घाट पर पारंपरिक स्थापत्य, ऐतिहासिक शिल्पकला और धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। देवी अहिल्याबाई ने यहां तीर्थयात्रियों के लिए कई सुविधाओं का विकास कराया था। अब मणिकर्णिका महाश्मशान घाट के पुनर्विकास का कार्य चल रहा। कार्यदायी संस्था ने घाट पर निर्माण का कार्य शुरू किया है।

कर्नाटक सीएम ...

शिवकुमार के समर्थक विधायकों का कहना है कि 2023 में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब मुख्यमंत्री पद के लिए 2.5-2.5 साल की डील हुई थी, लेकिन सिद्धारमैया समर्थक इसे नकारते आए हैं। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का 20 नवंबर 2025 को 2.5 साल का कार्यकाल पूरा हुआ। तब से ही सत्ता संतुलन को लेकर बयानबाजी जारी है। कुछ विधायक जो डिप्टी CM डीके शिवकुमार के समर्थक माने जाते हैं, वे दिल्ली जाकर खड़गे से भी मिले थे। सिद्धारमैया कैबिनेट फेरबदल के पक्ष में हैं। जबकि शिवकुमार चाहते हैं कि पार्टी पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला करे। पार्टी के अंदरूनी हलकों में यह भी माना जा रहा है कि यदि हाई कमान कैबिनेट विस्तार को मंजूरी देता है, तो इससे सिद्धारमैया के पूरे कार्यकाल (5 साल) तक टिके रहने का संकेत मिल सकता है, जो शिवकुमार की सीएम बनने की संभावनाओं को कम कर देगा।

इंडियन नेवी का ...

भारत के प्राचीन जहाज निर्माण कौशल को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने साल 2023 में प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। जिसके बाद संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और गोवा की निजी बोट बिल्डर कंपनी होड़ी इनोवेशंस के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ। जहाज को फरवरी 2025 में गोवा में लॉन्च किया गया। INSV 'कौंडिन्य' का डिजाइन अजंता गुफाओं की 5वीं सदी की एक पेंटिंग पर आधारित है। गोवा की एक कंपनी ने करीब 2000 साल पुरानी टांका पद्धति से इस जहाज का निर्माण किया है। लकड़ी के तख्तों से बने इस जहाज को नारियल के रेशे से सिला गया है। जहाज में कहीं भी कीलों का इस्तेमाल नहीं हुआ है। जहाज में न तो इंजन है और न ही जीपीएस। इसमें चौकोर सूती पाल और पैडल लगे हैं। यह पूरी तरह हवा के सहारे, कपड़े के पाल (सढ़) से चलता है। इस प्रोजेक्ट की कल्पना संजीव सान्याल ने की थी। स्वदेशी रूप से बने इस जहाज के पालों पर गंडभेरुंड और सूर्य के प्रतीक हैं। आगे की ओर सिंह याली की आकृति उकेरी गई है, जबकि डेक पर हड़प्पा शैली का प्रतीकात्मक पत्थर का लंगर लगाया गया है।

लश्कर के ...

उसे पाकिस्तान पर हुकूमत करने का कोई अधिकार नहीं है। मूसा ने दावा किया कि वह पहले भी ऐसे ही बयान मुजफ्फराबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ हुई एक बैठक में दे चुका है। अबू मूसा पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले में भी शामिल था। तमसा संकेत ने तब पड़ताल की थी कि आखिर पहलगाम अटैक के दौरान पाकिस्तान से आतंकियों को कौन आदेश दे रहा था। इस दौरान दो पाकिस्तानी हैंडलर के नाम मिले थे। पहला अबू मूसा और दूसरा रिजवान हनीफ। दोनों पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में लश्कर-ए-तैयबा के ऑपरेटिंग कमांडर हैं। इन्हीं दोनों ने मुरीदके में अफगान को ट्रेनिंग भी दी थी। हालांकि सूत्रों का दावा था कि पहलगाम अटैक का मास्टरमाइंड अबू मूसा ही है। ये सैफुल्लाह कसूरी का करीबी भी है। पहलगाम हमले से 4 दिन पहले 18 अप्रैल को लश्कर के एक कार्यक्रम में अबू मूसा ने कश्मीर में हिंदुओं को मारने का जिक्र किया था। इसका वीडियो भी सामने आया था। इसमें मूसा ने कहा था, 'गाजा और कश्मीर का एक ही मसला है और दोनों मसलों का एक ही हल है, वो है जिहाद। उसने कहा था- हमें भीख नहीं, आजादी चाहिए।

लद्दाख में 4 दिन लापता रहे आगरा के 4 दोस्त

रास्ता भटके, कार बर्फ में फिसलकर 20 फीट गहरी खाई में गिरी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। लद्दाख में 4 दिन पहले लापता हुए आगरा के चार दोस्तों की लोकेशन मिल गई है। चारों सुरक्षित हैं, और पुलिस के पास हैं। परिवार के लोग उन्हें लाने लद्दाख रवाना हुए हैं। उन्हें कल, बुधवार को वापस लाया जाएगा। लद्दाख पुलिस के अनुसार, चारों दोस्त 9 जनवरी की शाम लगभग 5:30 बजे कार से पैंगोंग झील से रवाना हुए थे। उसी दिन उन्होंने अपने परिजनों से बातचीत भी की थी। इसके बाद उनसे संपर्क टूट गया। अगले दिन जब कोई बात नहीं हुई तो परिवार ने पुलिस में मिसिंग कम्प्लेन की। पुलिस ने चारों को सुरक्षित खोज निकाला। उनकी कार फिसलकर सड़क के किनारे 20 फीट गहरी खाई में चली गई थी। उन्होंने रात गाड़ी में गुजारी। फिर 20 किमी पैदल चलकर आबादी में पहुंचे। आगरा के मधुनगर निवासी शिवम चौधरी अपने तीन दोस्त जयवीर चौधरी, यश मित्तल और सुधांशु फौजदार के साथ लद्दाख की ट्रिप पर गए थे। यह सभी आगरा से 6 जनवरी को कार से घूमने निकले। चारों लद्दाख भी पहुंच गए। वहां उन्होंने नया मोबाइल नंबर लिया। परिवार से बात की। अगले दो दिनों तक बात करते रहे।

काली टी-शर्ट में यश मित्तल और शर्ट पहने शिवम चौधरी।

बाएं सुधांशु फौजदार और दाएं जयवीर चौधरी

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।
सम्पादक : विद्यादेवी
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा
समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676